महत्वपूर्ण एवं खास

जीएसटी के नाम पर होटल संचालक ग्राहकों को लगा रहे चूना

जांजगीर-चाम्पा, (आरएनएस)। केन्द्र सरकार को दो महीने हो गये देश में जीएसटी लागू किये, पर शहर के एक नामी हॉटल ड्रीम पांइट के संचालक अभी तक अपने ग्राहकों को जीएसटी के नाम पर लुटने में लगा हुआ है। यहां दो महीने बीत जाने के बाद भी ग्राहकों को खाना खाने के बाद कच्ची बिल काट कर दिया जा रहा है। जिससे ग्राहको का जेब तो ढिला हो रहा हैं इससे टैक्स की भी चोरी हो रही है। इस बारे हॉटल संचालक का भी अजीब तर्क है उनका कहना है। अभी जीएसटी वाला साप्टवेयर कम्प्युटर में अपडेट नही हुआ है। इसका मलतब दो महीने बीत जाने के बाद भी बिलिंक प्रक्रिया में किसी प्रकार की बदलाव नही किया गया है। वही पुराने बिल बुक को पेन से लिख कर दिया जा रहा है। न कम्प्युटर द्वारा बिल काट कर दिया जा रहा है उपर से जीएसटी का टैक्स लिया जा रहा है। इस ओर अभी इनकम टैक्स के अधिकारी का ध्यान नही गया है। वही आप को पता दे की सरकार की ओर से सक्त निर्देश हैं कि जल्द से जल्द अपने व्ययसाय को अपने जीएसटी नंबर लेकर रजिस्टर करा ले। अपने होने वाले रोजना हिसाब का भी रोज अबडेट करते रहे। लेकिन हॉटल संचालक ऐसा नही कर रहा है। मेनवल बिल काटने से न तो उनका रिकार्ड रख रहा है। और न ही कप्युटर में साप्टवेयर अपडेट काराया गया है। इसप्रकार बिना जीएसटी साप्टवेयर के ग्राहको से जीएसटी बिल लेकर लाखों का हेराफेरी कर ग्राहको को चुना लगानें मे लगा है।

एक और सरकारी फरमान 58 सफाई कामगारों की छुट्टी

जगदलपुर,(आरएनएस)। नगर निगम में सफाई अब चुनौती बनते जा रही है। छत्तीसगढ़ शासन नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के एक नए फरमान की गाज निगम के 58 सफाई कामगारों पर गिरी है। इनमें 39 कर्मचारी ऐसे हैं जो वाहन चालक थे। इनके पद को ही विलोपित कर दिया गया है। मालूम हो कि पहल सफाई कामगारों की संख्या 168 थी इसमें प्लेसमेंट की कटौती करते अब इसे 110 पर निर्धारित किया गया है। महानदी भवन से जारी आदेश में स्पष्ट उल्लेखित किया गया है कि मिशन क्लिन सिटी को ध्यान में रखते हुए। स्वास्थ्य एवं स्वच्छता शाखा निगम जगदलपुर में प्लेसमेंट पर स्वच्छता श्रमिकों की अधिकतम संख्या पूर्व निर्धारित थी जिसमें संशोधन किया जा रहा है। इसमें सफाई श्रमिकों की 129 की संख्या को कम कर 110 किया गया है वहीं श्रमीक वाहन की संख्या को शून्य कर दिया गया है। इसके एवज में संविदा, नियमित या अन्य विधि से नियुक्ति नहीं होगी। आने वाले समय में समीक्षा उपरांत आवश्यकता अनुसार कर्मचारियों की संख्या में कटौती और वृद्धि की जा सकेगी। आदेश में इस बात का स्पष्ट उल्लेख है कि बायोमेट्रिक हाजरी के आधार पर ही कर्मचारियों का वेतन बने और भुगतान हो। मालूम हो कि शहर में कचरे के निकासी के लिए डोर टू डोर ऑटो का संचालन लगभग सभी वार्डों में हो रहा है। ऐसे में घरों से कचरा लेने वाली गाड़ियों के ड्राईवरों के पद को यदि विलोपित किया जाता है तो इस योजना पर खासा असर पड़ने की संभावना है। एक व्यवस्था जो शहर में चलन में आई है वो बड़े स्तर पर प्रभावित होने की आशंका है। ड्राईवरों के वैकल्पिक व्यवस्था को लेकर अब तक निगम के जानकारों का कोई हवाला नहीं आया है। राजेश चौधरी, स्वास्थ्य एवं स्वच्छता सभापति ननि ने बताया कि सरकारी आदेश प्राप्त हुआ है, इस आदेश के आने के बाद अब तक इसका क्रियान्यवयन नहीं हो सका है। इसमें सफाई कामगारों की जो छटनी हो रही है इससे सफाई की व्यवस्था चरमराने की संभावना अधिक है। इसके चलते ही इस मामले को लेकर पहले तो आयुक्त से चर्चा की जाएगी और इसके बाद किसी वैकल्पिक व्यवस्था के आधार पर ही सरकारी आदेश का क्रियान्यवयन होगा।

मामूली विवाद पर पत्नी को मार डाला

जगदलपुर,(आरएनएस)। बोधघाट थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम तेलकुटी निवासी आरोपी सोनूराम कश्यप ने घरेलू विवाद के चलते उसकी पत्नी प्रेमबति को लकड़ी से मारकर हत्या कर दी। पुलिस ने बताया कि बीती रात आरोपी शराब के नशे में घर पहुंचा। पत्नी से भोजन की मांग की जिस पर उसने पकाने को कहा। इससे नाराज होकर आरोपी ने गली गलौच करते हुए लकड़ी से पत्नी पर कई वार किये जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने आरोपी के विरूद्ध हत्या का मामला दर्ज किया है।

मिट्टी फेंकने को लेकर मारपीट, जुर्म दर्ज

महासमुंद,(आरएनएस)। पटेवा के ग्राम सिंघनपुर एवं सरायपाली के ग्राम दुर्गापाली में हुई मारपीट के मामले में पुलिस ने आरोपियों के विरुद्ध धारा 294, 323, 506, 354, 34 के तहत अपराध दर्ज कर किया। पुलिस के मुताबिक पहली घटना ग्राम सिंघनपुर पटेवा की है। जहां मिट्टी फेंकने के नाम पर गांव के टीकम जोगी, दीनदयाल जोगी, रूपेश जोगी एवं चंद्रजीत जोगी ने एक व्यक्ति की पिटाई कर दी। उसकी पत्नी की भी पिटाई करते हुए कपड़े फाड़ दिए।

जांजगीर जिले में स्वाइन फ्लू की दवा नही होने से तीन लोगो की मौत

0 जिला मुख्यालय के सीजीएमएससी में स्वाइन फ्लू दवा का कमी
0 मांग की पूर्ति नहीं हो पाने से अन्य जिले रेफर किये जा रहे मरीज

जांजगीर चांपा, (आरएनएस)। जांजगीर और कोरबा जिलों को दवाओं की सप्लाई करने वाले छग मेडिकल सर्विस कार्पोरेशन जांजगीर के गोदाम में भी स्वाइन फ्लू की एक भी दवा नहीं है। सीजीएमएससी अधिकारियों का कहना है कि ऑसल्टामिविर कैप्सूल आईपी का 5 सौ स्टॉक मंगाया गया था। सभी 5 सौ स्टॉक को जिला अस्पताल जांजगीर द्वारा खरीदी कर लिया गया है। स्वाइन फ्लू दवा का और स्टॉक मंगाने के लिए रायपुर पत्र लिखा गया है लेकिन वहां भी दवा उपलब्ध नहीं है जिसकी वजह से मांग की पूर्ति नहीं हो पा रही है। स्वाइन फ्लू से पीड़ित मरीजों की मौत लगातार होती जा रही है। गुरूवार को जिला अस्पताल में स्वाइन फ्लू से एक किशोरी की मौत हो गई। इससे पहले बुधवार को सुंदरेली निवासी एक युवक की बिलासपुर के अपोलो अस्पताल में मौत हो गई थी। इससे पहले 24 अगस्त को पामगढ़ ब्लाक के ग्राम मेहंदी निवासी एक 42 वर्षीय ग्रामीण की मौत हो गई थी। दस दिनों के अंतराल में स्वाइन फ्लू से जिले के तीन लोगों की मौत हो गई। स्वाइन फ्लू के मरीज मिलने से स्वास्थ्य विभाग बेसहाय नजर आ रहा है। इससे लोगों में भी भय बढ़ा है। जिले में स्वाइन फ्लू से पीड़ितों मरीजों के आंकड़े बढ़ने लगे हैं। जिले में स्वाइन फ्लू मरीजों की पहचान होने के बाद स्वास्थ्य विभाग सजग नहीं है। विभाग द्वारा स्वाइन फ्लू जांच के नाम पर खानापूर्ति करने में जुटी है। एक सप्ताह के भीतर स्वाइन फ्लू से जिले के तीन मरीजों की मौत हो गई। इसके बाद भी जिले के किसी भी ब्लॉक के सीएचसी में स्वाइन फ्लू की दवा टेमी फ्लू का स्टॉक नहीं है। जिन दो ब्लॉक पामगढ़ और सक्ती ब्लॉक में इस बीमारी से मरीजों की मौत हो चुकी है वहां भी टेबलेट नहीं है।

बस्तर के 94 हजार किसानों को मिलेगा बोनस

जगदलपुर,(आरएनएस)। लंबे समय से किसानों के आंदोलन से घबराई सरकार छत्तीसगढ़ के किसानों को बोनस देने का ऐलान किया है जिसके तहत बस्तर के 94000 किसानों को इससे फायदा होगा! अपर मुख्य सचिव के पत्र पहुंचते ही जिला सहकारी बैंक में तैयारी प्रारंभ कर दी गई है! जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्यादित ज÷दलपुर के मुख्य कार्यपालन अधिकारी के के पांडे ने बताया कि मुख्यमंत्री रमन सिंह बोनस देने का ऐलान किया है जिसके तहत कृषि व जैव विविधता के अपर मुख्य सचिव ने आदेश जारी कर जिला सहकारी बैंक सहित कमिश्नर कलेक्टर को प्रेषित किया है जिसके बाद से 2016 17 के पंजीकृत किसानों की कुंडली खंगाली जा रही है! सीईओ पांडे ने बताया कि 113990 किसानों का पंजीयन जिला सहकारी बैंक के अंतर्गत 7 जिले में किया गया था उसके तहत 94003 किसानों को बोनस दिया जाए÷ा बस्तर जिला सहकारी बैंक के अंतर्गत 130 करोड़ बोनस दिए जाएंगे! सीईओ पांडे ने इसे किसानों के लिए हितकर बताया किंतु उन्होंने बोनस दिए जाने की समय सीमा बताने से इनकार कर दिया!

बीजापुर के विपणन अधिकारी ने नहीं कराया धान जमा
एक अन्य जानकारी के अनुसार बीजापुर के तत्कालीन जिला विपणन अधिकारी ने 2016 17 के तहत 200 क्विंटल धान का परिमार्जन नहीं कराया और उसके साथ राइस मिलर ने भी साथ दी! 7 जिलों में से यह मामला बीजापुर जिले के नेलसनार केंद्र का है जिसके तहत कलेक्टर से भी पत्राचार किया गया है किंतु आज पर्यंत धान जमा नहीं हुआ है नए जिला विपणन अधिकारी द्वारा भी इस मामले में रुचि नहीं ली जा रही है!

मुख्य कार्यपालन अधिकारी के के पांडे से जब लगभग 65,000 लिंकिंग किसानों को बोनस दिया जाएगा कि नहीं यह प्रश्न पूछते ही पांडे ने कहा कि अभी तक राज्य सरकार से स्पष्ट निर्देश प्राप्त नहीं हुआ है ज्ञात हो कि 95,हजार किसानों में से 65 हजार किसानों को इसका लाभ नहीं मिलता है तो फिर 30 हजार किसान ही इससे लाभांवित होंगे!

किसानों को बोनस की घोषणा सरकार का छलावाः इंजी पाण्डेय

जांजगीर चांपा,(आरएनएस)। प्रदेश सरकार ने 4 वर्षो के इंतजार के बाद किसानो को 1 साल के बोनस की घोषणा का किसानो की उम्मीद के साथ छलावा किया है। उक्त बाते कांग्रेसी नेता इंजी. रवि पाण्डेय ने कही भाजपा ने 2013 में अपनी घोषणा पत्र जिसको वो संकल्प पत्र का नाम देते है। उसमें उन्होने किसानो को 2100 समर्थन मुल्य और 300 बोनस की बात कही थी। जीवन यापन के लिए संघर्ष कर रहे किसान जो अभी सूखे के चपेट में है। उनके साथ सिर्फ 1 वर्ष की बोनस की घोषणा करके प्रदेश्स सरकार ने इस बात को साबित कर दिया कि उनकों अन्नदाता किसानों की समस्या से कोई लेना देना नही है। उल्टा उनके जले मे नमक छिड़कना जैसा है। उन्होने आगे कहा कि प्रदेश के किसान स्वाभिमानी है, उन्हे खैरात नहीं अपना अधिकार चाहिए। भारतीय जनता पार्टी को उनके संकल्प पत्र के मुताबिक किसानों को 4 वर्श का समर्थन मुल्य और बोनस देनी चाहिए, अन्यथा प्रदेश के किसान आगामी चुनाव में अपना संकल्प पत्र तैयार करगी।

मकान का खपरा हटाकर 7 हजार की चोरी

जगदलपुर,(आरएनएस)। करपावंड चौकी क्षेत्र अंतर्गत डोंगरीपारा कोलावाल निवासी महिला कोमबति पति बुदरू के मकान का खपरा हटाकर अज्ञात आरोपी ने बीती रात को सात हजार रूपए नगदी सहित जेवरात पर हाथ साफ कर दिया। पुलिस के मुताबिक रात में जब परिवार के लोग सो रहे थे तभी आरोपी खपरा हटाकर भीतर घुसा और घर के दीवार में बने आलमारी में रखा सात हजार नगदी व चांदी की पायल जोड़ी लने उड़ा। सुबह महिला ने घटना की रिपोर्ट करपावंड थाने में दर्ज करवाई। अज्ञात आरोपी के विरूद्ध मामला पंजीबद्ध कर विवेचना की जा रही है।

विज्ञान समाचार Science News

सितंबर में उदासी या डिप्रेशन बढ़ क्यों जाता है ?

इन दिनों अगर आप कुछ परेशानी महसूस कर रहे हैं और सबकुछ ठीक होते हुए भी लगता है कहीं न कहीं कुछ गड़बड़ है तो हो सकता है कि आप सेप्टेंबर ब्लूज़ के शिकार हों रहे हैं। ऐसा महसूस करने वाले आप अकेले नहीं हैं, आम तौर पर सितम्बर महीने में अधिकांश लोगों को ऐसा ही लगने लगता है और विशेषज्ञों के अनुसार शरद आते-आते ये एहसास और गहरा हो जाता है, ये मौसम से जुड़ी हुई मानसिक हालत होती है जिसे सेप्टेंबर ब्लूज़ कहते हैं यानी उदासी भरा मौसम। इस महीने में दिन पहले के मुक़ाबले छोटा होना होने लगता है और शरद ऋतु आती है, दक्षिणी गोलार्द्ध की अपेक्षा उत्तरी गोलार्द्ध यानी पश्चिमी देशों में तो इस मौसम की उदासी और गहरी हो जाती है। लेकिन इससे कैसे बचें, ये पता हो तो आप बेफ़िक्र हो इस मौसम का भी लुत्फ़ उठा सकते हैं। मौसम के बदलने के प्रति संवेदनशील लंदन में रहने वाले 25 वर्ष के कैल स्ट्रोड सीज़नल अफ़ेक्टिव डिस ऑर्डर एसएडी से पीड़ित हैं, उनके मुताबिकए शहर साल मुझे लगता है कि ब्रिटेन में ये मेरी आखरी सर्दी है।

एसएडी ऐसी बीमारी है जिसमें लोग शरद और सर्दी के मौसम में अवसादग्रस्त हो जाते हैं। वो कहते हैं। जब दिन थोड़ा धुंधलका होने लगता है। ठंड बढ़ जाती हैए मुझे उदासी घेरने लग जाती है। लगता है शरीर में दम नही बचा है।

ब्रिटेन की सरकारी स्वास्थ्य सेवा एनएचएस के अनुसारए ब्रिटेन में इस बीमारी से 15 में से एक व्यक्ति पीड़ित है। इसका सबसे बुरा असर ये हो सकता है कि आप शरद और सर्दी के महीनों में सामान्य काम के लायक भी नहीं रहते मानसिक स्वास्थ्य को लेकर काम करने वाली एक संस्था एनेक्सिटी यूके के अनुसारए उसे अवसाद संबंधी फ़ोन सितंबर में बहुत आते है। कैल स्ट्रोड को अपनी इस बीमारी को छह साल पहले तब पता चला जब वो अमरीका में पढ़ने गए हुए थे।

वो कहते हैं मैं सैन डियागो में था और क्रिसमस पर घर गया था। तभी मुझे अचानक अवसाद महसूस होने लगा और लगा कि कुछ भी करने की मेरे अंदर क्षमता ही नहीं बची है।

कैसे बचें

मनोचिकित्सक डॉ शेरिलिन थॉम्पसन कहती हैंए प्लंबे समय के आरामदायक माहौल के बाद काम का और व्यस्त होने का समय आता है। उनकी सलाह है कि गर्मियों के रूटीन या आदत को छोड़कर सितंबर में नई चुनौतियों का सामना करने की तैयारी करनी चाहिए।

क्यों होता है अवसाद

हालांकि ये उनके लिए एक ख़ुशी का वक्त था क्योंकि वो अपने परिवार से मिल रहे थे। ऐसा माना जाता है कि इस बीमारी में सूरज की रोशनी मस्तिष्क के उस हिस्से पर असर डालती है जो सोने और ऊर्जा स्तर का नियमन करती है। इससे छुटकारा पाने के लिए हर दिन 45 मिनट एक लाइट बॉक्स के सामने गुज़ारने लगे। वो बताते हैं कि इससे उन्हें कुछ हद तक फायदा पहुंचा। लेकिन ठंड आते आते ये स्थिति और विकट हो सकती है। दिन बिल्कुल ही छोटे हो जाते हैं। मौसम ख़राब हो जाता है और क्रिसमस की छुट्टियां भी दूर होती हैं। एनेक्सिटी यूके से जुड़ी निकी लिडबेटर कहती हैं ऐसा हर साल होता है और लगता है कि गर्मियों में लोगों का मूड अच्छा रहता है। उनके अनुसार सूरज की रोशनी जब पर्याप्त होती है तो माहौल आरामदायक होता है। शरद में ये एहसास भर जाता है कि गर्मी चली गई लगता है मानो कुछ खो गया हो, वो कहती हैं सितंबर में लगता है कि ये समय थोड़ा गंभीर हो जाने का है और इससे एक किस्म की बेचैनी भी हो सकती है।

शिक्षकों की होगी ऑनलाईन उपस्थिति दर्ज

जांजगीर चांपा,(आरएनएस)। जल्द ही सरकार की नई योजना के तहत प्रदेश के अन्य जिलों की तरह जांजगीर चांपा जिले के विभिन्न विकास खण्डों में शिक्षकों की ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज की जाएगी। इसके लिए हर स्कूल में टेबलेट वितरण किया जाना है। योजना के तहत अक्टूबर-नवम्बर के आसपास टेबलेट वितरण किया जाएगा। इस योजना को सरकार ने कुछ अन्य जिलों में इसकी शुरूवात प्रयोग के रूप में किया है। सुत्रो से मिली जानकारी के अनुसार जिले के ब्लाक स्कूलों में ऑनलाइन के जरीये नजर रखा जाएगा। स्कूल की सभी जानकारी इसमें रोजाना देनी होगी। इसमे स्कूल के अटेंडेस से लेकर मध्यान-भोजन की जानकारी देनी होगी और स्कूल के शिक्षकों को अगर छुट्टी भी लेनी होगी तो उसे ऑनलाइन अपडेक करना होगा। इसकी जानकारी स्कूल के शिक्षा विभाग ऑनलाइन मिल जाएगा। टेबलेट मे एक साफ्टवेयर होगा जिसका पासवर्ड भी रहेगा जो सिर्फ स्कूल के प्रभारी शिक्षक के पास होगा। इससे स्कूल में जो शिक्षक समय पर नही आएगें इसकी जानकारी विभागीय अधिकारी को मिल जाएगी। इस योजना को स्कूल की व्यवस्था को सुधारने के लिए लागू किया जा रहा है। इस योजना से बिना अनुमति छुटटी में रहने वाले शिक्षको की अब खैर नही होगी । उच्च अधिकारी उनकी स्कूल में उपस्थिति की ऑनलाइन मॉनिटरिंग इंटरनेट के जरीये सीधे संपर्क मे रहेगें। इस योजना का मकशद स्कूल मे शिक्षा की गुणवत्ता के साथ- साथ शिक्षको के अनुपस्थिति रोकने के लिए किया जा रहा है। हांलाकि यह योजना अपने जिले में कब तक शुरूवात हो जायेगा यह अभी पुरी तरह फाइनल नही हुआ है। कयास लगाया जा रहा है की अक्टुबर नवम्बर में इस योजना को लागू कर दे।

महिला कमांडों ने जान पर खेलकर गांव में बनवाया सड़क एवं पुल

जगदलपुर,(आरएनएस)। बीजापुर जिला के भैरमगढ़ गांव अंतर्गत कर्रेमरका से टिण्डोरी जाने वाले सड़क को माओवादी द्वारा वर्ष 2006 में क्षतिग्रस्त करकर ग्रामीणों को स्वास्थ्य, शिक्षा एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं से वंचित किया है। विगत दिन पहले बीजापुर कलेक्टर बीजापुर अय्याज तम्बोली एवं पुलिस अधीक्षक के.एल.ध्रुव को क्षेत्र की समस्याओं की जानकारी प्राप्त होने के बाद उक्त सड़क का मरम्मत कराकर टिण्डोरी एवं आसपास के क्षेत्र की ग्रामीणों को तुस्सावाड़ा, कर्रेमरका के माध्यम से भैरमगढ़ तक जोड़ने का निर्णय लिया। उक्त सड़क एवं पुल पुलिया के निर्माण हेतु जिला बीजापुर में नवगठित महिला कमांडो टीम ने दिन रात कैम्प करके निर्माण कार्य की सुरक्षा प्रदाय करने में अहम भूमिका निभाई। लगातार हो रही बारिश के बावजूद भी महिला कमांडो ने उक्त कार्य को पूर्ण रूप से समर्पित होकर डयूटी तथा कार्य को पूर्ण कराया। 31 अगस्त को पुलिस महानिरीक्षक बस्तर रेंज विवेकानंद सिंह, उप पुलिस महानिरीक्षक दक्षिण बस्तर रेंज सुंदरराज पी., पुलिस अधीक्षक बीजापुर के.एल. ध्रुव एवं जिला पंचायत सीईओ अभिषेक सिंह के टिण्डोरी गांव पहुंचने तथा आवागमन हेतु सड़क निर्माण होने पर ग्रामीणों द्वारा सुरक्षाबलों के प्रति आभार व्यक्त किया। ग्रामीणों से रूबरू होते हुए पुलिस महानिरीक्षक बस्तर रेंज विवेकानंद सिंह ने कहा कि बस्तर में सुरक्षाबलों की असली ताकत ग्रामीण है नक्सली सड़क काटकर जवानों का नहीं बल्कि ग्रामीणों का ही नुकसान कर रहे है नक्सली कभी भला नहीं कर सकते बल्कि

File Photo

ग्रामीणों को डरा धमकाकर अपना मकसद पूरा कर रहे है। ग्रामीणों को संबोधित करते हुए उप पुलिस महानिरीक्षक सुंदरराज पी. द्वारा नक्सली ग्रामीणों के मेहनत का हिस्सा खाकर उनको झूठे सपने दिखा रहे है बस्तर में सड़क काटकर व स्कूल भवनों को तोड़कर यहां के बच्चों के भविष्य को अंधकार में धकेल रहे है। पुलिस अधीक्षक बीजापुर के. एल. ध्रुव ने कहा कि नक्सलियों से डरने के बजाय उनका डटकर मुकाबला करें और अपने क्षेत्र के विकास में सहयोगी बनें। महिला कमांडो के इस सकारात्मक कार्य को देखकर सभी गदगद हुए। टिण्डोरी, बेलसरा, तुस्सावाड़ा, कर्रेमरका एवं आसपास क्षेत्र के महिलाओं ने महिला कमांडो से हाथ मिलाकर उन्हें आभार व्यक्त किया । पुलिस महानिरीक्षक बस्तर रेंज एवं उप पुलिस महानिरीक्षक दक्षिण बस्तर ने भी महिला कमांडो को जनहित में कार्य करने के लिए शाबाशी दी। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक बीजापुर के. एल. ध्रुव, जिला पंचायत सीईओ बीजापुर अभिषेक सिंह, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मोहित गर्ग, सीआरपीएफ 199वीं बटा. दीपक नोटियाल, उप पुलिस अधीक्षक सुश्री उनेजा खातून अंसारी, थाना प्रभारी भैरमगढ़ लक्ष्मण केंवट एवं अन्य अधिकारी, कर्मचारी व ग्रामीण उपस्थित रहे।